विषय– भूगोल

उपविषय– प्रवास के प्रकार, कारण और परिणाम

प्रवास

किसी कारण विशेष के लिए, व्यक्ति अपने जन्म स्थान को छोडकर कही अन्यत्र बसने लगता है, या रहने लगता है, तो उसे प्रवास कहते हैं। प्रथम बार प्रवास को 1881 ई0 में भारत की जनगणना के समय अंकित किया गया। 1981 की जनगणना में प्रवास के कारणों को समाविष्ट किया गया। जनगणना के समय प्रवास के संबंध में निम्न प्रश्न पूछे जाते हैं।

1–क्या व्यक्ति उसी गॉव, शहर या जिले में पैदा हुआ है, यदि वहॉ पैदा नही हुआ है तो उसका जन्म स्थान का पता करते हैं।

2–क्या व्यक्ति इसी गॉव या शहर में किसी अन्य स्थान से आया है। जिस गॉव या शहर से आया है वहॉ का नाम दर्ज करते हैं।

भारत में सन् 2001 की जनगणना के अनुसार देश के 102.9 करोड लोगों में से 30.7 करोड(30प्रतिशत) लोग प्रवासी के रूप में रह रहे हैं।

प्रवास की धारायें

प्रवास मुख्य रूप से दो रूपों में होता है। पहला आन्तरिक प्रवास, जिसमें देश के अन्दर प्रवास प्रदर्शित करता है। द्वितीय अर्न्तराष्ट्रीय प्रवास, जिसमें देश के बाहर या अन्य देशों से देश के अन्दर प्रवास होता है। आन्तरिक प्रवास की मुख्य चार धारायें होती हैं।

1– गॉव से गॉव की ओर
2– गॉव से नगर की ओर
3– नगर से गॉव की ओर
4– नगर से नगर की ओर

उपर्युक्त प्रवासों में गॉव से गॉव की ओर का प्रवास महिलाओं में शादी के कारण अधिक होता है। जबकि गॉव से नगर की ओर का प्रवास पुरूषों में रोजगार के लिए अधिक होता है।

नगर से गॉव की ओर प्रवास अपेक्षाकृत कम होता है, जो पुरूष एवं महिला दोनों में होता है। चौथा प्रवास नगर से नगर की ओर होता है, जिसका मुख्य कारण विवाह,रोजगार,धार्मिक कारणों से होता है। सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत में अन्य देशों से 50 लाख लोगों का प्रवास हुआ है। जो पडोसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, तिब्बत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ईरान, और म्यांमार के शरणार्थी हैं।

प्रवास में स्थानिक विभिन्नता

देश में सबसे ज्यादा प्रवास महाराष्ट्र,दिल्ली, गुजरात, हरियाणा राज्यों में हुआ है। इन राज्यों में बिहार , उत्तर प्रदेश राज्य के प्रवासी रोजगार के लिए आते हैं।

यदि नगरीय प्रवास को देखें तो मुम्बई में सर्वाधिक प्रवासी आते हैं उसके बाद दिल्ली में भी बाह्य प्रवासी भी रोजगार की तलाश में आते रहते है।

प्रस्तुतकर्ता– जगदीश प्रसाद (प्रवक्ता भूगोल) बी0डी0टी0रा0इ0का0गुरना पिथौरागढ, उत्तराखण्ड

प्रवास के कारण

यद्वपि प्रत्येक व्यक्ति को अपना जन्मस्थल प्यारा होता है, फिर भी कई कारणों से व्यक्ति को अपना जन्मस्थान छोडना पडता है। जो निम्न है–

1– जब किसी महिला की शादी होती है, तो उस समय प्रवास होता है। कभी–कभी शादी में पुरूषों का भी प्रवास घर–जमाई के रूप में होता है।
2– रोजगार की तलाश में व्यक्ति एक स्थान से दूसरे स्थान को जाते हैं, तो इसमें वृहद प्रवास होता है।
3– सूखा,बाढ,भूकम्प ,ज्वालामुखी,सुनामी, आग,चक्रवात, भूस्खलन आदि प्राकृतिक आपदाओं से भी लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जाते हैं।

प्रवास के कारणों को मुख्य रूप से दो वर्गो में बॉटा गया है।
1–प्रतिकर्ष कारक (Push Factor)– उपर्युक्त वर्णित कारणों से जो लोग अपने जन्म स्थान, निवास स्थान को छोडने के लिए मजबूर होते हैं वे प्रतिकर्ष कारक कहलाते हैं।
2–अपकर्ष कारक (Pull Factor)– धार्मिक स्थल, रमणीय स्थान, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य सुविधाओं के कारण जब लोग किसी स्थान विशेष की ओर आकर्षित होते हैं तो वह अपकर्ष कारक कहलाते है।

प्रवास के परिणाम

जब व्यक्ति शिक्षा,स्वास्थ्य,सुरक्षित स्थान के लिए प्रवास करता है तो उसमें लाभ या हानि दोनो हो सकते हैं, जिसके निम्न परिणाम हैं।
1–आर्थिक परिणाम– हमारे देश के लोग जब अन्य राष्ट्रों में प्रवास करते हैं, तो वाह्य देशों से मुद्रा हमारे देश में आती है। सन् 2002 में भारत ने अर्न्तराष्ट्रीय प्रवासियों से हुंडियों के रूप में 110 खरब अमेरिकी डालर प्राप्त किये। प्रवासियों के द्वारा भेजी गयी मुद्रा से उद्गम स्थानों का विकास होता है।
2–जनांकिकीय परिणाम– प्रवास से नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्वि होती है। ग्रामीण युवा एवं दक्ष लोगो के प्रवास के कारण, गॉवों में दक्षता या कुशलता कम हो जाती है। प्रवास के कारण गॉव में लिंग अनुपात पर भी प्रतिकूल प्रभाव पडता है।
3– सामाजिक परिणाम– नगर से गॉव की ओर प्रवास होने पर गॉव में शिक्षा, नवीन प्रौद्योगिकी, बालिका शिक्षा का विकास होता है। प्रवास से विभिन्न संस्कृतियों का अर्न्तमिश्रण होता है, जिससे अन्धविश्वास , संकीर्ण विचारों की समाप्ति होती है।
3– पर्यावरणीय परिणाम– नगरीय क्षेत्रों में प्रवास के कारण जनसंख्या वृद्वि से नगरों में गन्दगी फैलती हैं। तथा गन्दी बस्तियों का निर्माण होता है। नगरों में जनसंख्या वृद्वि से भूमि का जलस्तर गिर जाता है, वायु प्रदूषण, वाहन प्रदूषण में वृद्वि होती है। वर्तमान समय में नगरीय प्रवास के कारण कई गॉवों में पलायन बढता जा रहा है, जिससे वहॉ के खेत व मकान बंजर पड गये हैं।

प्रस्तुतकर्ता– जगदीश प्रसाद (प्रवक्ता भूगोल) बी0डी0टी0रा0इ0का0गुरना पिथौरागढ, उत्तराखण्ड